General Instructions for the Candidates
(CBCS- 2024)

1. The two year (4 semester) P.G Programme is of 96 credit weightagei.e 24 credits per semester.(24x4=96)
2. 14 credits , (4 core papers) are offered in each semester for which the credit combination is 4+4+4+2.
3. A candidate has a choice to opt any 8 credits (2 papers) out of 16 credits (4 papers) offered as Discipline Centric Elective (DCE). A candidate has to continue the DCE course with spinal connectivity in all the four semesters.
4. The candidate can obtain minimum 2 credits (one papers) in each semester out of 4 credits from Generic Elective/Open Elective (GE/OE).
5. A Candidate can earn more than the minimum required credits (2 credits) from GE and OE (or a combination of both) which shall be counted towards the final result of the candidate.
6. Exam shall consisit of two components viz-(I) continous assessment 20% and (II) term end exam 80%.

M.A HINDI –CBCS- 2024

SEMESTER I

Course code		Course Title	Paper Category	Hours per Week		Credits
Core Papers S.No				**L**	**T**	
01	HIN24101CR	History of Hindi Literature	Core	4	0	4
02	HIN24102CR	Madhyakaleen Kavya-1	Core	4	0	4
03	HIN24103CR	Indian Criticism	Core	4	0	4
04	HIN24104CR	Hindi Bhasha	Core	2	0	2
05	HIN24105DCE	Hindi Bhasha ka vikas	Elective (DCE)	4	0	4
06	HIN24106DCE	Aadikaleen Kavya	Elective (DCE)	4	0	4
07	HIN24107DCE	Kashmir Ka Hindi Sahitya	Elective (DCE)	4	0	4
08	HIN24108DCE	Gaddya Ki Nai Vidhayen	Elective (DCE)	4	0	4
09	HIN24001GE	Hindi :Basic Sounds - I	Elective (GE)	2	0	2
10	HIN24001 OE	Hindi :Basic Sounds -II	Elective open(OE)	2	0	2
24 Credit = 24 Contact Hours per week				14CR+16DCE+2GE/2OE	0	34
Credit Combination could be :14+08+02=24						

M.A. Hindi (Semester-I) CBCS

For the year 2024

HIN24101CR Credits - 4

Title: हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

(History of Hindi Literature) (Aadikal se Retikal Tak)

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- छात्र हिन्दी साहित्य के आदिकाल से रीतिकाल तक के स्वरूप से परिचित होंगे |
- हिन्दी के आदिकालीन से लेकर रीतिकालीन साहित्यकारों और उनकी रचनाओं के बारे में जान सकेंगें |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संदर्भो का ज्ञान प्राप्त होगा |
- विद्यार्थी आलोच्य कवियों की रचनाओं में निहित मानवतावादी दृष्टिकोण को समझने के साथ-साथ उनका तुलनात्मक अध्ययन करने में योग्यता प्राप्त करेंगे |

इकाई:- **1**

- हिन्दी साहित्य इतिहास लेखन के आधार
- साहित्येतिहास लेखन की परम्परा
- हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल- विभाजन, विभिन्न मत एवं निष्कर्ष
- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल तथा आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी की इतिहास दृष्टि

इकाई:- **2**

- आदिकाल की सामाजिक परिस्थितियां एवं नामकरण
- आदिकाल की साहित्यिक विशेषताएं
- सिद्ध, नाथ, जैन एवं लौकिक का परवर्तीय साहित्य पर प्रभाव
- रासो साहित्य की परम्परा

इकाई:-3

- भक्ति आन्दोलन का उदभव और विकास
- भक्तिकाल की विभिन्न काव्यधाराएं,संत काव्य, सूफी काव्य
- राम काव्य, कृष्ण काव्य
- प्रतिनिधि कवि तथा उनके साहित्य की विशेषताएं

इकाई:-4

- रीतिकाल का नामकरण
- रीतिकालीन कवियों के विविध वर्ग - रीतिसिद्ध, रीतिबद्ध, रीतिमुक्त
- रीतिकालीन कवियों की साहित्यिक विशेषताएं
- रीतिकाल के प्रमुख कवि- केशव, बिहारी, भूषण, घनानन्द

सहायक ग्रन्थ Biblography

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास - सं.रामचन्द्र शुकल
2 हिन्दी साहित्य का आदिकाल - हज़ारी प्रसाद द्विवेदी
3 हिन्दी साहित्य की भूमिका - हज़ारी प्रसाद द्विवेदी
4 हिन्दी साहित्य का उदभव और विकास - हज़ारी प्रसाद द्विवेदी
5 हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. रामकुमार वर्मा
6 हिन्दी साहित्य का इतिहास - हरीशवन्द्र वर्मा
7 हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र
8 हिन्दी साहित्य का अतीत I, II - आचार्य विश्वनाथ मिश्र
9 रीतिकाव्य की भूमिका - नगेन्द्र
10 नाथ सम्प्रदाय - हज़ारी प्रसाद द्विवेदी
11 हिन्दी साहित्य का रीतिकाल - प्रो.विनोद कुमार तनेजा (हरियाणा साहित्य अकादमी)
12 सिद्ध साहित्य - धर्मवीर भारती
13 रीति कवियों का आचारत्व - सत्यदेव चौधरी

HIN24102CR Credits - 4

Title : (मध्यकालीन काव्य) Madhykaleen kavya -1

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- छात्र हिन्दी साहित्य के भक्तिकाल के स्वरूप तथा परिस्थितियों से परिचित होंगे |
- इस काल के साहित्यकारों और उनकी रचनाओं से परिचित होंगे |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- निर्गुण तथा सगुण भक्तिकाव्य की प्रवृतियों से परिचित होंगे |
- काव्य के अध्ययन-विश्लेषण के माध्यम से काव्य संबंधी समझ विकसित होगी |

इकाई:- **1**

- कबीर : पृ. सं. **61- 68** ("मध्ययुगीन काव्य विविधा": प्रो. ज़ोहरा अफज़ल)
- कबीर की भक्ति- भावना
- कबीर का समाज- दर्शन
- कबीर की काव्य- भाषा एवं रहस्यवाद

इकाई:- **2**

- सूरदास : पृ. सं. **96-105** ("मध्ययुगीन काव्य विविधा": प्रो. ज़ोहरा अफज़ल)
- सूरदास की भक्ति-पद्धति
- सूरदास की वात्सल्य- भावना
- सूरदास का श्रृंगार पक्ष एवं रीति तत्व

इकाई:- **3**

- जायसी : नागमती वियोगखण्ड, सिंहलदीप खण्ड, मानसरोवर खण्ड (पदमावत)

  पृ. सं. **286-294** तक पृ. सं. **278-286** ("मध्ययुगीन काव्य विविधा": प्रो. ज़ोहरा अफज़ल)
- जायसी का विरह- वर्णन
- जायसी का रहस्यवाद

- जायसी की प्रेम- व्यंजना एवं महाकाव्यत्व

इकाई:- 4

- भक्ति आन्दोलन ः एक परिचय
- निर्गुण भक्ति एवं सगुण भक्ति में अन्तर
- सूरदास की भाषा-शैली
- जायसी की भाषा-शैली

सहायक ग्रन्थ सूची Biblography

1- कबीर ग्रन्थावली - डॉ. श्याम सुन्दर दास
2- कबीर - सं. हज़ारी प्रसाद द्विवेदी
3- कबीर मीमांसा - डॉ.रामचन्द्र तिवारी
4- कबीर का रहस्यवाद - रामकुमार वर्मा
5- कबीर और कबीर पंथ - सं. डॉ. केदारनाथ द्विवेदी
6- उत्तरी भारत की संत परम्परा - परशुराम चतुर्वेदी
7- जायसी ग्रन्थावली - रामचन्द्र शुकल
8- जायसी का शिल्प विधान - दीक्षित, छोटेलाल
9- हिन्दी सूफी काव्य की भूमिका – रामपूजन तिवारी
10- सूरसागर - नन्ददुलारे वाजपेयी
11- सूर साहित्य सन्दर्भ - सं. लक्ष्मीकान्त वर्मा
12- सूरदास और उनका भ्रमरगीत - डॉ. श्रीनिवास शर्मा
13- सूरदास और ब्रजभाषा - प्रभु पायल मितल
14- सूर - मेनेजर पाण्डेय
15- सूर और उनका साहित्य - डॉ. हरवंशराय शर्मा
16- सूरदास - नंददुलरेवाजपेयी
17- सूर-विमर्श - आ. राममूर्ति त्रिपाठी

HIN24103CR Credits - 4

Title: भारतीय काव्यशास्त्र (Indian Criticism)

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- छात्रों को भारतीय काव्यशास्त्र की समृद्ध परम्परा की जानकारी प्राप्त होगी |
- भारतीय काव्यशास्त्र की आवश्यकता जान पाएंगें |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- विद्यार्थी हिन्दी आलोचना में भारतीय काव्यशास्त्र के प्रदेय से परिचित होंगे |
- छात्रों को संस्कृत काव्यशास्त्र का ज्ञान प्राप्त होगा |

इकाई:-1

- भारतीय काव्यशास्त्र- एक परिचय
- काव्य-लक्षण
- काव्य-प्रयोजन, काव्य-हेतु
- काव्य-दोष

इकाई:- 2

- रस- सम्प्रदाय
- रस स्वरूप, रस के अंग, रस- निष्पत्ति
- अलंकार-सम्प्रदाय
- अलंकार स्वरूप, विशेषता, प्रभेद

इकाई:- 3

- ध्वनि सम्प्रदाय
- ध्वनि- प्रभेद
- ध्वनि-काव्य
- काव्य की आत्मा

इकाई:- 4

- औचित्य-सम्प्रदाय
- वक्रोक्ति- सम्प्रदाय
- रीति- सम्प्रदाय
- साधारणीकरण

सहायक ग्रन्थ सूची Biblography

1. काव्य तत्व विमर्श - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
2. भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. सत्यदेव चौधरी
3. भारतीय काव्यशास्त्र - सं. उदयभान सिंह
4. काव्य दर्पण - रामदहिन मिश्र
5. रस- सिद्धान्त - डॉ. नगेन्द्र
6. रसभिव्यिकित - डॉ. दशरथ द्विवेदी
7. अभिनव का रस-विवेचन - नगीनदास पारेख
8. भारतीय काव्य सिद्धान्त - तारक नाथ बाली
9. साहित्य शास्त्र कोश - हरिवंशराय 'हीरा
10. हिन्दी साहित्य कोश (भाग एक) - धीरेन्द्र वर्मा
11. काव्यशास्त्र - भागीरथ मिश्र
12. रसमीमांसा - आ. रामचन्द्र शुकल
13. काव्यशास्त्र के नये क्षितिज - आ. राममूति त्रिपाठी

HIN24104 CR Credits - 2

Title – हिन्दी भाषा (Hindi Bhasha)

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- विद्यार्थी भाषा के स्वरूप और महत्व का ज्ञान प्राप्त करेंगे |
- देवनागरी लिपि से परिचित होंगे |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- भाषा तथा बोली के अंतर को समझेंगे |
- हिन्दी भाषा के विविध रूपों से परिचित होंगे |

इकाई 1

- हिन्दी भाषा – एक परिचय
- हिन्दी विविध रूप– राज–भाषा, राष्ट्र–भाषा, संपर्क भाषा
- हिन्दी की उपभाषाएं
- हिन्दी शब्द समूह (तत्सम, तदभव, देशी– विदेशी)

इकाई 2

- लिपि– एक परिचय
- देवनागरी लिपि परिचय एवं विशेषताएं
- देवनागरी लिपि के अनुस्वार एवं अनुनासिक ध्वनियां
- देवनागरी लिपि की त्रुटियां एवं समाधान

सहायक ग्रन्थ {Bibliography}

1 हिन्दी भाषा - डॉ.भोलानाथ तिवारी

2 हिन्दी भाषा का इतिहास - डॉ. धीरेन्द्र वर्मा

3 हिन्दी भाषा का उदभव और विकास - डॉ. उदय नारायण तिवारी

4 भारतीय आर्य भाषाएँ - सुनीति कुमार चटर्जी

5 हिन्दी भाषा का उदभव और विकास - जुआल गुणानन्द

6 मध्य कालीन अवधी का विकास - डॉ. अनितकुमार तिवारी , डॉ. कन्हेया सिंह

7 भाषा शास्त्र तथा हिन्दी भाषा रूपरेखा - डॉ. देवेन्द्र कुमार शास्त्री

HIN24105 DCE Credits - 4

Title - हिन्दी भाषा का विकास (Hindi Bhasha Ka Vikas)

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- विद्यार्थी भाषा के स्वरूप और महत्व का ज्ञान प्राप्त करेंगे |
- प्राचीन मध्यकालीन तथा आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं से परिचित होंगे |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- भाषा तथा बोली के अंतर को समझेंगे |
- हिन्दी भाषा के विविध रूपों से परिचित होंगे |

इकाई **1**

- हिन्दी और उसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
- प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं - संक्षिप्त परिचय - वैदिक एवं लौकिक
- मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं पालि एवं प्राकृत

इकाई **2**

- आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं -
- वर्गीकरण
- हिन्दी का भौगोलिक विस्तार

इकाई **3**

- हिन्दी की उपभाषाएं
- हिन्दी विविध रूप (राज भाषा, राष्ट्र भाषा, संपर्क भाषा)
- हिन्दी शब्द समूह (तत्सम, तद्भव, देशी- विदेशी)

इकाई **4**

- देवनागरी लिपि
- परिचय एंव विशेषताएं
- त्रुटियां एवं समाधान

सहायक ग्रन्थ {Bibliography}

1 हिन्दी भाषा - डॉ.भोलानाथ तिवारी

2 हिन्दी भाषा का इतिहास - डॉ. धीरेन्द्र वर्मा

3 हिन्दी भाषा का उदभव और विकास - डॉ. उदय नारायण तिवारी

4 भारतीय आर्य भाषाएँ - सुनीति कुमार चटर्जी

5 हिन्दी भाषा का उदभव और विकास - जुआल गुणानन्द

6 मध्य कालीन अवधी का विकास - डॉ. अनितकुमार तिवारी , डॉ. कन्हेया सिंह

7 भाषा शास्त्र तथा हिन्दी भाषा रूपरेखा - डॉ. देवेन्द्र कुमार शास्त्री

8 हिन्दी भाषा तथा उनकी बोलियॉ - कृपा शंकर सिंह

9 हिन्दी ः उद्भव व विकास - डॉ.हरदेव बाहरी

10 हिन्दी व्याकरण -आ. कामताप्रसाद गुरू

11 हिन्दी शब्दानुशासन -आ.किशोरीदास वाजपेयी

HIN24106 DCE Credits - 4

Title- आदिकालीन काव्य (Aadikaleen Kavya)

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- छात्र हिन्दी साहित्य के आदिकाल के स्वरूप से परिचित होंगे |
- हिन्दी के आदिकालीन साहित्यकारों और उनकी रचनाओं के बारे में जान सकेंगें |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संदर्भो का ज्ञान प्राप्त होगा |
- विद्यार्थी आलोच्य कवियों की रचनाओं में निहित मानवतावादी दृष्टिकोण को समझने के साथ-साथ उनका तुलनात्मक अध्ययन करने में योग्यता प्राप्त करेंगे |

इकाई 1-

- चंदबरदायी - पृथ्वीराज रासो

(शशिव्रता विवाह समय – आरंभिक 5 छंद।)

ना. प्र. सभा काशी

- रासो साहित्य की परम्परा
- पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता एंव भाषा

इकाई 2-

- विद्यापति पदावली- सं. शिवप्रसाद सिंह - आरंभिक 10 पद
- विद्यापति भक्ति या श्रृंगारी
- काव्य - सौष्ठव

इकाई 3-

- अमीर खुसरो - ना. प्रच. सभा - आरंभिक 10 छन्द
- अमीर खुसरो की साहित्यिकता
- अमीर खुसरो का लोक तत्व

इकाई 4-

- चंदबरदायी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
- विद्यापति का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
- अमीर खुसरो का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

सहायक ग्रथं सूची-

1 चंदवरदायी - डॉ शांत सिंह

2 विद्यापति - डॉ शिव प्रसाद सिंह

3 अमीर खुसरो - साहित्य अकादमी नई दिल्ली

4 हिन्दी साहित्य का इतिहास - आ. राम चन्द्र शुक्ल

5 संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो - आ.हज़ारी प्रसाद द्विवेदी

6 हिन्दी का आदिकाल - आ.हज़ारी प्रसाद द्विवेदी

7 हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – आचार्य रामस्वरूप चतुर्वेदी

8 अमीर खुसरो - माजदा असद

9 विद्यापति - साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

10 हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ बच्चन सिंह

HIN24107 DCE Credits - 4

Title : कश्मीर का हिन्दी साहित्य (Kashmir ka Hindi Sahitya)

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- छात्र कश्मीर के हिन्दी साहित्य के स्वरूप से परिचित होंगे |
- कश्मीर के हिन्दी-साहित्यकारों और उनकी रचनाओं के बारे में जान सकेंगें |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संदर्भों का ज्ञान प्राप्त होगा |
- विद्यार्थी आलोच्य साहित्यकारों की रचनाओं में निहित दृष्टिकोण को समझने के साथ-साथ उनका तुलनात्मक अध्ययन करने में योग्यता प्राप्त करेंगे |

इकाई -1

- कश्मीर का हिन्दी साहित्य - एक संक्षिप्त परिचय

इकाई -2

- कश्मीर की हिन्दी कविता
- रत्नलाल शान्त का काव्यगत परिचय
- शशिशेखर तोषखानी का काव्यगत परिचय

इकाई -3

- कश्मीर का हिन्दी उपन्यास- साहित्य का संक्षिप्त परिचय
- चन्द्रकान्ता के उपन्यासों का सामान्य परिचय
  यहां वितस्ता बहती है तथा ऐलान गली जिन्दा है

इकाई -4

- कश्मीर के हिन्दी कहानी- साहित्य
- अवतार कृष्ण राज़दान के कहानी - संग्रह *'रूप का रोग'* का सामान्य परिचय

सन्दर्भ ग्रन्थ-

- कश्मीर और हिन्दी - रामकाव्य का तुलनात्मक अध्ययन
  डॉ.ओंकर कौल
  बाहरी अध्ययन पब्लिकेशनज़ दिल्ली
- कश्मीर इटस कल्चर हेरिटेज - कोमुदी ऐशिया पब्लिकेशन हाउस बम्बई
- कश्मीर में हिन्दी - अवतार कृष्ण राजदान
- कश्मीर में हिन्दी (भाग 1) - मुदस्सिर अहम्द भट्ट

HIN24108 DCE Credits - 4

Title - गद्य की नई विधाएं (Gadhya ki Nai Vadhayen)

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- छात्रों को गद्य की नई विधाओं का ज्ञान प्राप्त होगा |
- विद्यार्थी गद्य की विविध विधाओं के अंतर को समझ पाएंगे |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- छात्र भाषा, शिल्प तथा संवेदना से परिचिति होंगे |
- छात्रों में तुलनात्मक अध्ययन करने की योग्यता उत्पन्न होगी |

इकाई 1-

- गद्य और उसकी विधाएं- एक परिचय
- यात्रावृत्त - परिभाषा , परिचय एंव विकास
- रिपोतार्ज - परिभाषा, परिचय एंव विकास

इकाई 2-

- डायरी (वासरी)- परिभाषा, परिचय एंव विकास
- जीवनी - परिभाषा, परिचय एंव विकास
- आत्मकथा - परिभाषा , परिचय एंव विकास

इकाई 3-

- साक्षात्कार - परिभाषा, साक्षात्कार की विशेषताएं
- व्यंग्य - परिभाषा, हास्य व्यंग्य की विशेषताएं
- पत्र- साहित्य

इकाई **4-**

- लघु - कथा - परिभाषा, प्रकार, विशेषताएं
- पटकथा - अवधारणा और स्वरूप
- गद्यकाव्य - परिभाषा और स्वरूप

संदर्भ ग्रन्थ ः

1 हिन्दी का गद्य साहित्य	डॉ.रामचन्द्र तिवारी
2 काव्यशास्त्र	भगीरथ मिश्र
3 हिन्दी साहित्य का इतिहास	डॉ.नगेन्द्र
4 बेहया का जंगल	डॉ.कृष्ण बिहारी मिश्र
5 हिन्दी गद्य का विविध रूप	रामचन्द्र लावनिया
6 साहित्यिकी	शान्तिप्रिय द्विवेदी
7 हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	डॉ.रामस्वरूप चतुर्वेदी
8 त्रिशंकु	अज्ञेय
9 साहित्यिक निबन्ध	डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त
10 आधुनिक साहित्यिक निबन्ध	डॉ.त्रिभुवन सिंह

HIN24001 GE Credits – 2

Title - हिन्दी वर्णमाला –भाग- I (Hindi : Basic Sounds -I)

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- छात्र हिन्दी वर्णमाला के स्वरूप से परिचित होंगे |
- हिन्दी वर्णमाला के उचित उच्चारण स्थान से अवगत होंगे |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- स्वर तथा व्यंजन के अंतर को समझेंगे |
- व्यंजन के विभिन्न प्रकारों से परिचित होंगे |

इकाई 1

- स्वर- परिचय एवं परिभाषा
- मात्राएं एवं उच्चारण स्थान
- स्वरों से प्रारम्भ होने वाले शब्द

इकाई 2

- व्यंजन -परिचय, परिभाषा एवं उच्चारण स्थान
- दो वर्ण, तीन वर्ण एवं चार वर्णों वाले शब्द
- मात्राओं वाले शब्द

HIN24001 OE Credits - 2

Title - हिन्दी वर्णमाला –भाग- II (Hindi : Basic Sounds -II)

इकाई 1

- स्वर, परिभाषा एवं मात्राएं
- व्यंजन:परिभाषा
- व्यंजनों का परिचय एवं लेखन
- विदेशी व्यंजन

इकाई 2

- संयुक्त व्यंजन
- पंचमाक्षर एवं अनुनासिक ध्वनियां
- महाप्राण एवं अल्पप्राण ध्वनियां

Semester II

Course code		Course Title	Paper Category	Hours per Week		Credits
Core Papers S.No				**L**	**T**	
01	HIN24201 CR	History of Hindi Literature-ii	Core	4	0	4
02	HIN24202CR	Madhyakaleen Kavya-2	Core	4	0	4
03	HIN24203CR	Western Criticism	Core	4	0	4
04	HIN24204 CR	Itihas va Sanskriti	Core	2	0	2
05	HIN24205DCE	Bhasha Vigyan	Elective (DCE)	4	0	4
06	HIN24206DCE	Reetikaleen Shranagaretar Kavya	Elective (DCE)	4	0	4
07	HIN24207DCE	Adhunik Hindi Mahila Sahitya	Elective (DCE)	4	0	4
08	HIN24208DCE	Rekhachitra Aivam Sansmaran	Elective (DCE)	4	0	4
09	HIN24002GE	Hindi Grammer-I	Elective (GE)	2	0	2
10	HIN24002 OE	Hindi Grammer -II	Elective Open(OE)	2	0	2
24 Credit = 24Contact Hours per week				14CR+16DCE+2GE/2OE	0	34
Credit Combination could be :14+08+02=**24**						

M.A. Hindi (Semester-II) CBCS

For the year 2024

HIN24201CR (4 Credits)

Title: हिन्दी साहित्य का इतिहास {2 } History of Hindi Literature [II]

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास से परिचित होंगे |
- छात्र विभिन्न वादों के विकास तथा विशेषताओं से परिचित होंगे |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक परिदृश्य का ज्ञान प्राप्त होगा |
- छात्रों को हिन्दी के साहित्यकारों और उनकी रचनाओं के बारे में ज्ञान प्राप्त करेंगे |

इकाई - 1

- आधुनिक काल की सामान्य परिस्थितियां
- फोर्ट विलियम कॉलेज
- खड़ी बोली हिन्दी का उदभव एवं विकास
- भारतेन्दु युग- प्रमुख साहित्यकार,सामान्य साहित्यिक विशेषताएं

इकाई - 2

- भारतीय नवजागरण और राष्ट्रीय आन्दोलन
- द्विवेदी युग – प्रमुख रचनाकार
- प्रमुख साहित्यिक विशेषताएं
- छायावाद – प्रमुख कवि एवं सांस्कृतिक विशेषताएं

इकाई - **3**

- स्वच्छन्दतावाद
- प्रगतिवाद - विकास एवं विशेषताएं
- प्रयोगवाद - विकास एवं विशेषताएं
- नई कविता - प्रमुख साहित्यकार,रचनाएं और सामान्य साहित्यिक विशेषताएं

इकाई - **4**

- कहानी - उद्भव एवं विकास
- उपन्यास – उद्भव एवं विकास
- नाटक - उद्भव एवं विकास
- निबन्ध - उद्भव एवं विकास

सहायक ग्रन्थ {Bibliography}

1 आधुनिक हिन्दी साहित्य - नन्ददुलारे वाजपेयी

2 हिन्दी साहित्य का इतिहास - सं.डॉ.नगेन्द्र

3 हिन्दी साहित्य का बृहत इतिहास - (नागरी प्रचारिणी सभा)

4 हिन्दी साहित्य का आधुनिक इतिहास - राम किशोर त्रिपाठी

5 गद्य का विकास - रामचन्द्र तिवारी

6 आधुनिक काल की प्रवृत्तियॉ - नामवर सिंह

7 दूसरी परम्परा की खोज इतिहास और आलोचना - नामवर सिंह

8 हिन्दी साहित्य का इतिहास - नामदेव उतकर

9 हिन्दी साहित्य का दूसा इतिहास - बच्चन सिंह

10 हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास - सुमन राजे

HIN24202CR (4 Credits)

Title : मध्ययुगीन काव्य Medieval Poetry

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- छात्र हिन्दी साहित्य के मध्ययुगीन काव्य के स्वरूप तथा परिस्थितियों से परिचित होंगे |
- इस काल के साहित्यकारों और उनकी रचनाओं से परिचित होंगे |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- निर्गुण तथा सगुण भक्तिकाव्य की प्रवृतियों से परिचित होंगे |
- काव्य के अध्ययन-विश्लेषण के माध्यम से काव्य संबंधी समझ विकसित होगी |

इकाई 1

- तुलसीदास-रामचरितमानस-अयोध्याकाण्ड- रामवनगमन पृ.सं 169-174
  (भरत- जनक – संवाद) पृ.सं **246 - 250**
  (विनय पत्रिका) पृ.सं **118- 125**
- तुलसी की भक्ति भावना
- समन्वयवाद
- लोकमंगल

इकाई **2**

- बिहारी ः बिहारी रत्नाकर पृ .सं **445- 450**
- बिहारी की बहुज्ञता
- श्रृंगार- पक्ष
- काव्य- सौष्ठय

|

इकाई **3**

- घनानन्द ः घनानन्द- कवित्त पृ. सं **410- 416**
- घनानन्द का विरह- वर्णन
- प्रेम- व्यंजना
- काव्य- दृष्टि

इकाई **4**

- सगुण भक्ति एवं तुलसीदास
- सतसई परम्परा एवं बिहारी
- रीतिमुक्त काव्य एवं घनानन्द
- घनानन्द के काव्य में छंद योजना

निर्धारित पाठ्यपुस्तक

"मध्यकालीन – काव्य विविधा" सम्पादक जोहरा अफ़ज़ल

सहायक ग्रन्थः (Bibliography)

1 गोस्वामी तुलसीदास	- आ. रामचन्द्र शुकल
2 आगम और तुलसी	-डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
3 तुलसी के हिय हेरि	-विष्णुकान्त शास्त्री
4 तुलसी काव्य मीमांसा	- उदयभान सिंह
5 तुलसी के अध्ययन की नई दिशाए	-मिश्र, रामप्रसाद
6 बिहारी	-आ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
7 बिहारी सतसई	-जगननाथ सिंह
8 बिहारी और उनका साहित्य	-डॉ. हरवंशलाल शर्मा
9 बिहारी का नया मूल्यांकन	-बच्चन सिंह
10 संक्षिप्त बिहारी (भूमिका)	-डॉ. संसार चन्द्र
11स्वच्छन्दकाव्यधारा और घनानन्द	-डॉ.मोहनलाल गौड़
12 घनानन्द का काव्य	- सहदेव शर्मा
13 घनानन्द की काव्य साधना	- मिश्र सभापति

HIN24203CR (4 Credits)

Title: पाश्चात्य काव्यशास्त्र {Western Criticism}

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- छात्र पश्चिमी साहित्य चिंतन की अवधारणाओं से परिचित होंगे |
- छात्र पश्चिमी साहित्य चिंतन की अवधारणाओं की आवश्यकताओं से परिचित होंगे |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- पाश्चातय जगत के विद्वानों के संदर्भ में ज्ञान प्राप्त होगा |
- भारतीय और पाश्चातय आलोचकों की अवधारणाओं की तुलना करने में सक्षम होंगे |

इकाई **1**

- प्लेटो और अरस्तु ः प्रत्यय सिद्धान्त
- अनुकृति सिद्धान्त
- विरेचन सिद्धान्त
- त्रासदी

इकाई **2**

- लोंन्जाइन्स का उदात्त तत्व
- वर्डसवर्थ का काव्य-भाषा सिद्धान्त
- कोलरिज ः कल्पना-सिद्धान्त
- इलियट ः परम्परा व निर्वैयक्तिकता सिद्धान्त

इकाई **3**

- रिचर्डस ः काव्य भाषा-सिद्धान्त व मूल्य-सिद्धान्त
- कोचे ः अभिव्यंजनावाद
- स्वच्छन्दतावाद

इकाई 4

- अस्तित्ववाद
- मनोविश्लेषणवाद
- बिम्बवाद, प्रतीकवाद
- आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता

सहायक ग्रन्थ सूची {Bibliography}

1 पाश्चात्य काव्यशास्त्र - आ.देवेन्द्रनाथ शर्मा

2 पाश्चात्य काव्यशास्त्र ः इतिहास,सिद्धान्त व वाद - डॉ.भगीरथ मिश्र

3 तुलनात्मक काव्यशास्त्र - डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी

4 संरचनावाद व उत्तरसंरचनावाद - गोपीचंद नारंग

5 पाश्चात्य समीक्षा - दर्शन - डॉ.जगदीश जेन

6 पाश्चात्य काव्यशास्त्र - सिद्धान्त और वाद - डॉ.नगेन्द्र , डॉ.कोहली

7 पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास - डॉ.तारकनाथ बाली

8 आधुनिक आलोचना के बीच शब्द - बच्चन सिंह

9 पाश्चात्य काव्यशास्त्र - मृदुल जोशी

HIN24204 CR Credits - 2

Title: इतिहास व संस्कृति **{Itihas va Sanskriti}**

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- छात्र भारतीय इतिहास व संस्कृति से परिचित होंगे |
- छात्र भारतीय तथा पश्चिमी चिंतन की अवधारणाओं से परिचित होंगे |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- छात्रों को सभ्यता और संस्कृति के मध्य अंतर का ज्ञान प्राप्त होगा |
- विद्यार्थी साहित्य में इतिहास तथा वैशिष्टय से अवगत होंगे |

इकाई 1

- इतिहास व संस्कृति की अवधारणा
- भारतीय इतिहास दृष्टि व पश्चिमी इतिहास दृष्टि
- परम्परा व संस्कृति
- सभ्यता व कला

इकाई 2

- इतिहास, परम्परा व संस्कृति : परिभाषा
- इतिहास के स्रोत व साधन
- भारतीय इतिहास का सामान्य परिचय
- साहित्य में इतिहास एवं वैशिष्ट्य

सहायक ग्रन्थ सूची {Bibliography}

1 भारतीय परंपरा के मूल स्वर	-	गोविन्दचन्द्र पाण्डेय
2 संस्कृति	-	वासुदेव अग्रवाल
3 भारत का इतिहास	-	मजुमदार
4 भारत का इतिहास	-	आशीर्वादीलाल श्रीवास्तव
5 भारत का इतिहास	-	कृष्ण चन्द्र श्रीवास्तव
6 वैदिक संस्कृति	-	गोविन्दचन्द्र पाण्डेय

HIN24205DCE (4 Credits)

Title - भाषा विज्ञान (Bhasha Vigyan)

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- विद्यार्थी भाषा विज्ञान के स्वरूप और विभिन्न शाखाओं का ज्ञान प्राप्त करेंगे |
- भाषा विज्ञान की अध्ययन पद्धतियों से परिचित होंगे

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- छात्र अर्थ तथा रूप विज्ञान के अंतर को समझेंगे |
- विद्यार्थी वाक्य विज्ञान के स्वरूप से परिचित होंगे |

इकाई 1

- भाषा विज्ञान – परिभाषा, स्वरूप एवं क्षेत्र
- भाषा विज्ञान - अध्ययन पद्धतियां
- भाषा विज्ञान की विविध शाखाएं

इकाई 2

- अर्थ विज्ञान- परिभाषा एंव स्वरूप
- अर्थ परिवर्तन की दिशाएं
- वाक्य विज्ञान के विभिन्न तत्व

इकाई 3

- रूप विज्ञान - परिभाषा एंव स्वरूप
- रूप विज्ञान के प्रकार
- ध्वनि (स्वर) परिवर्तन के कारण

इकाई 4

- वाक्य विज्ञान - परिभाषा एंव स्वरूप
- वाक्य के प्रकार
- वाक्य परिवर्तन के प्रकार

सहायक ग्रंथ

1 भाषा विज्ञान कोश- डॉ. भोलानाथ तिवारी

2 शैली विज्ञान का इतिहास- पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु'

3 हिन्दी शब्द समूह का विकास- डॉ. नरेश मिश्र

4 शैली विज्ञान और संरचनावाद- डॉ. नरेन्द्र सेनी।

5 हिन्दी भाषा डॉ. भोलानाथ तिवारी

6 भाषा विज्ञान आ.देवेन्द्रनाथ शर्मा

7 भाषा विज्ञान : सिद्धान्त व प्रयोग डॉ. द्वारका प्रसाद स्कसेना

8 शैली विज्ञान विद्यानिवास मिश्र

9 हिन्दी व्याकरण आ.कामताप्रसाद गुरू

10 हिन्दी शब्दानुशासन किशोरीदास वाजपेयी

HIN24206DCE (4 Credits)

Title- रीतिकालीन श्रृंगारेत्तर काव्य (Retikaleen Shringarater Kavya)

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के रीतिकाल के स्वरूप से परिचित होंगे |
- हिन्दी के रीतिकालीन साहित्यकारों और उनकी रचनाओं के बारे में जान सकेंगें |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक परिदृश्य का ज्ञान प्राप्त होगा |
- छात्र कविताओं का अध्ययन-विश्लेषण करने की पद्धति सीख स्केंगे |

इकाई 1

- गुरू गोविन्द सिंह – सबद हज़ारे 5 पद
- गुरू गोविन्द सिंह का काव्यात्मक परिचय
- काव्य भाषा

इकाई 2

- भूषण ग्रन्थावली: विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (5) पद
- भूषण का काव्यात्मक परिचय
- राष्ट्रीयता

इकाई 3

- गिरधर कवि राय - ना. प्र. सभा काशी- आरंभ से 5 कुण्डलिया छंद
- गिरधर का नीति काव्य
- काव्य सौंदर्य

इकाई 4

- गुरू गोविन्द सिंह का दार्शनिक चिन्तन
- भूषण का काव्य शिल्प
- गिरधर की नीति काव्य की परम्परा

सहायक ग्रंथ सूची-

1 गुरू गोविन्द सिंह - डॉ. महीप सिंह

2 दशमगंध के विविध आयाम - विनोद तनेजा

3 सिक्ख गुरूओं का पुण्य स्मरण - आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी

4 भूषण - अश्वनी परासर

5 भूषण ग्रन्थावली - आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

6 गिरधर कविराय ग्रन्थावली -ना. प्र. सभा

7 हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

8 हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास - डॉ रामस्वरूप चतुर्वेदी

9 हिन्दी साहित्य का अतीत- भाग- 2 - आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

HIN24207DCE (4 Credits)

Title-आधुनिक हिन्दी महिला कथा - साहित्य (Adhunik Hindi Mahila Katha Sahitya)

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- विद्यार्थी नारी चेतना और नारी विमर्श से परिचित होंगे |
- आधुनिक महिला कथा साहित्यकारों और उनकी रचनाओं के बारे में जान सकेंगें |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संदर्भो का ज्ञान प्राप्त होगा |
- विद्यार्थी आलोच्य साहित्यकारों की रचनाओं में निहित मानवतावादी दृष्टिकोण को समझने के साथ-साथ उनका तुलनात्मक अध्ययन करने में योग्यता प्राप्त करेंगे |

इकाई **1**

- नारी विमर्श
- नारी विमर्श पर आधारित ग्रन्थ
- आधुनिक हिन्दी महिला कथा लेखन में नारी चेतना

इकाई **2**

- स्वतंत्रता पूर्व महिला कथा लेखन
- स्वतंत्र्योत्तर महिला कथा लेखन
- समकालीन महिला कथाकार

इकाई **3**

- कहानीकार मीरा कांत का साहित्यिक परिचय
- 'काग़ज़ी बुर्ज़ ' कहानी-संग्रह का कथ्य
- 'काग़ज़ी बुर्ज़ ' कहानी-संग्रह की मूल समस्या

इकाई 4

- मैत्रयी पुष्पा का साहित्यिक परिचय
- मैत्रयी पुष्पा के उपन्यास 'गुनाह बे गुनाह' का कथ्य
- 'गुनाह बे गुनाह' उपन्यास में कामकाजी महिलाओं की सामाजिक समस्या

संदर्भ ग्रंथ

1 हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास - सुमन राजे, ज्ञानपीठ प्रकाशन दिल्ली

2 श्रृंखला की कडियॉ - महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद

3 नारीवाद राजनीति, संघर्ष और मुद्दे - साधना आर्य, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय दिल्ली, विश्वविद्यालय दिल्ली।

4 आधुनिक कथा साहित्य में नारी - स्वरूप और प्रतिमा -डॉ. उमा शुक्ल,डॉ. माधुरी छेड़ा,अरविन्द प्रकाशन बंबई

5 भारतीय नारी- कल आज और कल, - सरोज गुप्ता प्रकाशन संस्थान दिल्ली

6 स्त्री चेतना के प्रस्थान बिन्दु, - सुनीता गुप्ता प्राकाशन संस्थान दिल्ली

7 हिन्दी का गद्य साहित्य - डॉ.रामचन्द्र तिवारी

8 वाधवृन्ध (नदी, नारी और संस्कृति) - विद्यानिवास मिश्र

9 हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र

10 गुनाह बे गुनाह - मैत्रयी पुष्पा

11 काग़ज़ी बुर्ज - मीरा कांत

HIN24208DCE (4 Credits)

Title : रेखाचित्र एवं संस्मरण (Rekhachitra Aur Sansamaran)

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- विद्यार्थी रेखाचित्र तथा संस्मरण से परिचित होंगे |
- आलोच्य विधाओं के विकास क्रम का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगें |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- विद्याथी आलोच्य विधाओं में तुलना करने में सक्षम होंगे |
- विद्यार्थी आलोच्य साहित्यकारों की रचनाओं में निहित मानवतावादी दृष्टिकोण को समझने के साथ-साथ उनका तुलनात्मक अध्ययन करने में योग्यता प्राप्त करेंगे |

इकाई **1**

- रेखाचित्र- परिभाषा, उदभव और विकास
- संस्मरण- परिभाषा उदभव और विकास
- रेखाचित्र एवं संस्मरण का तुलनात्मक अध्ययन

इकाई **2**

- 'अतीत के चलचित्र' - महादेवी वर्मा
- रामा, बालिका वधु, मां, साबिया
- 'अतीत के चलचित्र' का नामकरण

इकाई **3**

- 'अतीत के चलचित्र' में सामाजिक चित्रण
- 'अतीत के चलचित्र' की भाषा- शैली
- 'अतीत के चलचित्र' में नारी - भावना

इकाई **4**

- 'बाजे पायलिया के घुंघरू' का कथ्य
- संस्मरण साहित्य में कन्हैयालाल मिश्र के संस्मरणों का महत्व
- 'बाजे पायलिया के घुंघरू' का प्रतिपाद्य

सहायक ग्रन्थः-

1 महादेवी वर्मा के रेखाचित्र - डॉ. मक्खनलाल शर्मा

2 हिन्दी रेखाचित्र - डॉ. कृपाशेष सिंह

3 हिन्दी का संस्मरण साहित्य - डॉ. कामेश्वर शरण

4 हिन्दी रेखाचित्रः सिद्धान्त और विकास - डॉ. मक्खनलाल शर्मा

5 हिन्दी रेखाचित्र - डॉ. हरवंश लाल शमा

6 हिन्दी का गद्य- साहित्य - डॉ. रामचन्द्र तिवारी

7 हिन्दी साहित्य व संवेदना का विकास - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

8 रेखाचित्र विशेषांक - हंस पत्रिका

9 आधुनिक साहित्य - अज्ञेय

10 आधुनिक साहित्य का इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह

HIN24002 GE (2 Credits)

Title : हिन्दी व्याकरण – I (Hindi Grammer - I)

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- छात्र हिन्दी व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे |
- हिन्दी के शब्द भंडार का ज्ञान प्राप्त होगा |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- उपसर्ग तथा प्रत्यय के अंतर को समझेंगे |
- वाक्य के विभिन्न प्रकारों से परिचित होंगे |

इकाई 1

- विरामादि चिन्हों का प्रयोग
- हिन्दी के उपसर्ग, प्रत्यय
- समास

इकाई 2

- अशुद्धि शोधन – शब्द एवं वाक्य
- पर्यायवाची शब्द तथा विलोम शब्द
- शब्द समूह के लिए एक शब्द

HIN24002 OE (2 Credits)

Title : हिन्दी व्याकरण - II (Hindi Grammer - II)

इकाई 1

- शब्द लेखन
- मात्राओं वाले शब्द
- हिन्दी का शब्द भण्डार
- स्त्रीलिंग-पुलिंग (शब्द) , एकवचन-बहुवचन (शब्द)

इकाई 2

- वाक्य लेखन
- वाक्यों के प्रकार
- सरल वाक्य, मिश्रित वाक्य ,संयुक्त वाक्य
- शुद्ध-अशुद्ध (शब्द एवं वाक्य)

SEMESTER III

Course code		Course Title	Paper Category	Hours per Week		Credits
Core Papers S.No				**L**	**T**	
01	HIN24301 CR	Aadhunik Kavita	Core	4	0	4
02	HIN24302 CR	Katha Sahitya (Hindi Novel)	Core	4	0	4
03	HIN24303 CR	Hindi Natak	Core	4	0	4
04	HIN24304 CR	Lok Sahitya	Core	2	0	2
05	HIN24305 DCE	Anuvad	Elective (DCE)	4	0	4
06	HIN24306 DCE	Lambhi Kavita	Elective (DCE)	4	0	4
07	HIN24307DCE	Vishist Sahityakar Premchand	Elective (DCE)	4	0	4
08	HIN24308 DCE	Natakkar Bhartendu Harishchandr	Elective (DCE)	4	0	4
09	HIN24003 GE	Hindi Grammer-III	Elective (GE)	2	0	2
10	HIN24003OE	Hindi Grammer & Composition	Elective open (OE)	2	0	2
24 Credit = 24 Contact Hours per week				14CR+16DCE+2GE/2OE	0	34
Credit Combination could be :14+08+02=**24**						

M.A. Hindi (Semester-III) CBCS

For the year 2024

HIN24301CR (4 Credits)

Title: आधुनिक कविता (Aadhunik Kavita -1)

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- विद्यार्थी आधुनिक कविता के स्वरूप से परिचित होंगे |
- आधुनिक कविता के साहित्यकारों और उनकी रचनाओं से अवगत होंगे |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संदर्भों का ज्ञान प्राप्त होगा |
- विद्यार्थी आलोच्य कवियों की रचनाओं का तुलनात्मक अध्ययन करने में योग्यता प्राप्त करेंगे |

इकाईः **1**

- साकेत - नवम सर्ग - मैथिलीशरण गुप्त
- मैथिलीशरण गुप्त का काव्य शिल्प
- साकेत में उर्मिला के विरह- वर्णन का स्वरूप
- मैथिलीशरण गुप्त के काव्य का संक्षिप्त परिचय

इकाईः **2**

- कामायनी – चिन्ता, श्रद्धा सर्ग - जयशंकर प्रसाद
- आधुनिक सन्दर्भ में कामायनी की प्रासंगिकता
- 'कामायनी' महाकाव्य का शिल्प
- जयशंकर प्रसाद के काव्य का संक्षिप्त परिचय

इकाई **3**

- राम की शक्ति पूजा - सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
- हिन्दी काव्य में निराला का योगदान
- निराला के काव्य में नारी
- निराला के काव्य का संक्षिप्त परिचय

इकाईः **4**

- नदी के द्वीप – कविता - अज्ञेय
- समकालीन काव्य में 'नदी के द्वीप' का महत्व
- अज्ञेय की साहित्यिक विशेषताएं
- अज्ञेय का काव्य दर्शन

निर्धारित पाठ्य पुस्तक ः 'आधुनिक काव्य- विविधा'

संपादक ः प्रो. ज़ोहरा अफ़ज़ल

सहायक ग्रन्थ ः (Bibliography)

1 कामायनीः काव्य में संस्कृत और दर्शन - द्वारिका प्रसाद सक्सेना

2 छायावाद और कामायनी - डॉ. तारकनाथ बाली

3 निराला की साहित्य साधना - डॉ. रामविलास शर्मा।

4 कामायनी एक पुनर्विचार - मुक्तिबोध

HIN24302CR (4Credits)

Titleः कथा-साहित्य- (हिन्दी उपन्यास) katha-sahity-(hindi novel)

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- छात्र हिन्दी उपन्यास के विभिन्न प्रकारों से परिचित होंगे |
- आलोच्य उपन्यास छात्रों को जीवन की वास्तविकता से परिचित करवाएंगे|

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- विद्यार्थियों को गंभीर भाव बोध को समझने का अवसर मिलेगा |
- कृतियों के अध्ययन विश्लेषण से साहित्यिक व आलोचनात्मक समझ विकसित होगी |

इकाई 1

- गोदान - प्रेमचन्द (सामान्य अध्ययन)
- गोदान ग्रामीण जीवन का दस्तावेज़
- गोदान में पात्रों का चरित्र- चित्रण
- गोदान का महाकाव्यत्व

इकाई 2

- बाणभट्ट की आत्मकथा- आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी (सामान्य अध्ययन)
- हिन्दी उपन्यास तथा बाणभट्ट की आत्मकथा
- वस्तु संगठन की दृष्टि से बाणभट्ट की आत्मकथा
- बाणभट्ट की आत्मकथा में पात्रों का चरित्र- चित्रण

इकाई **3**

- मैला आंचल- फणीश्वरनाथ रेणु (सामान्य अध्ययन)
- आंचलिक उपन्यास के तत्वों के आधार पर मैला आंचल
- मैला आंचल में पात्रों का चरित्र- चित्रण
- मैला आंचल का नायक

इकाईः **4**

- उपन्यास के प्रकार
- वर्तमान युग में गोदान की प्रासंगिकता
- बाणभट्ट की आत्मकथा में लेखक का उद्देश्य
- मैला आंचल की भाषा- शैली

सहायक ग्रन्थ ः (Bibliography)

1। प्रेमचन्द और उनका युग -राम विलास शर्मा
2। हिन्दी उपन्यास नए क्षितिज – डॉ. शशि भूषण सिंहल
3। प्रेमचन्द एवं समकालीन भारतीय उपन्यासकार -कलावती प्रकाश
4। प्रेमचन्द और उनके उपन्यास - उषा श्रषि
5। प्रेमचन्द की उपन्यास कला और गोदान – डॉ. कृष्णदेव झारी
6। प्रेमचन्दः एक विवेचन- डॉ. नन्द दुलारे वाजपेयी
7। रचनाकार रेणु - पुष्पा जनकर
8। फणीश्वरनाथ रेणु का रचना संसार -सूरज पालीकाल
9। दूसरी परंपरा की खोज - नामवर सिंह
10। हज़ारी प्रसाद द्विवेदी – सं. अशोक वाजपेयी
11। आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि- चन्द्र देव
12। आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास - इन्द्रनाथ मदान
13। साहित्य और इतिहास परंपरा की आधुनिकता - मैनेजर पाण्डेय

HIN24303CR (4Credits)

Title: हिन्दी नाटक {Hindi Natak}

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- छात्र नाटय विधा से परिचित होंगे |
- विद्यार्थी अभिनय कला को सूक्षमता से जान पाएंगे|

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- विद्यार्थी आलोच्य रचनाकारों की रचनाओं में निहित दृष्टिकोण को समझने में सक्षम होंगे|
- भाषा शिल्प से परिचित होंगे |

इकाई-1

- नाटक की परिभाषा और तत्व
- नाटक का उदभव और विकास
- आधुनिक नाटक और रंगमंच के विकास पर पाश्चात्य प्रभाव
- तत्वों के आधार पर प्राचीन एवं आधुनिक नाटक की तुलना

इकाई-2

- कर्फ्यू {नाटक} – लक्ष्मीनारायण लाल
- नाट्य साहित्य में लक्ष्मीनारायण लाल का योगदान
- डॉ.लक्ष्मीनारायण लाल की नाट्य-कला
- "कर्फ्यू" नाटक के शीर्षक की सार्थकता

इकाई-3

- चंद्रगुप्त {नाटक} – जयशंकर प्रसाद
- प्रसाद के नाटकों का कथ्य और शिल्प
- रंगमंच की दृष्टि से प्रसाद के नाटकों का मूल्यांकन
- 'चंद्रगुप्त' नाटक की रंगमंचीयता

इकाई-**4**

- जयशंकर प्रसाद का नाट्य- साहित्य: एक परिचय
- डॉ.लक्ष्मीनारायण लाल का नाट्य- साहित्य: एक परिचय
- 'चंद्रगुप्त' नाटक में इतिहास और कल्पना
- 'कर्फ्यू ' नाटक का शिल्प-विधान

सहायक ग्रन्थ सूची {Bibliography}

1 प्रसाद के नाटक - सुरेन्द्र प्रताप सिंह

2 प्रसाद के नाटक - जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव

3 नाटक और रंगमंच की भूमिका - लक्ष्मीनारायण लाल

4 हिन्दी नाटक और रंगमंच - एक यात्रा - दशव नारायण राय

5 डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल के नाटकों में पात्र-श्रृष्टि - डॉ. ज़ोहरा अफ़ज़ल

6 हिन्दी नाटक - जयदेव तनेजा

HIN24304CR (2Credits)

Title: लोक-साहित्य (Lok- Sahitya)

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- विद्यार्थी लोक-साहित्य के स्वरूप से परिचित होंगे |
- कश्मीर की लोक-संस्कृति एवं लोक-साहित्य के बारे में जान सकेंगे |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- विद्याथियों को लोक-साहित्य तथा लोकवार्ता के मध्य अंतर का ज्ञान होगा|
- कश्मीरी लोक-साहित्य की विशेषताओं की जानकारी होगी |

इकाई 1

- लोक-साहित्य का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
- लोक-साहित्य तथा लोकवार्त्ता में अंतर
- लोक-साहित्य तथा साहित्य : परस्पर सम्बन्ध
- लोक-साहित्य का वर्गीकरण

इकाई 2

- हिन्दी लोक-साहित्य - एक परिचय
- कश्मीर के लोक-साहित्य की भूमिका
- कश्मीर की लोक-संस्कृति
- कश्मीरी लोक-साहित्य की विशेषताएं

सहायक ग्रन्थ सूची {Bibliography}

1 लोक-साहित्य की भूमिका - कृष्णदेव उपाध्याय , साहित्य भवन, इलाहाबाद
2 कश्मीर का लोक-साहित्य - मोहन कृष्ण दर, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली
3 भारतीय लोक-साहित्य - डॉ. श्याम परमार, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4 हिन्दी लोक-साहित्य का प्रबंधन - डॉ. राजेश्वर उनियाल, कल्पना प्रकाशन, दिल्ली
5 अवधी तथा कश्मीरी लोकगीतों में लोकतत्व सामाजिक सांस्कृतिक एवं धार्मिक संदर्भ में - डॉ. बीना बुदकी, चिनर पब्लिकेशन्स, जम्मू
6 भारतीय संस्कृति एवं लोकगीत - डॉ. अर्चना परदेशी,वाईटल पब्लिकेशन्स,जयपुर
7 लोकगीतों में समाज - पूर्णिमा श्रीवास्तव
8 लोक साहित्य की भूमिका - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
9 हिन्दी का लोक साहित्य - डॉ. महेन्द्र बा. ढाकुरदास
10 लोक साहित्य - डॉ. विद्या चौहान

HIN24305DCE (4 Credits)

Title – अनुवाद (Anuvad)

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- छात्र अनुवाद की प्रक्रिया से परिचित होंगे |
- छात्र अनुवाद की सूक्ष्मता को जान सकेंगे |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- विद्यार्थियों में अनुवाद की प्रयोजनीयता और प्रक्रिया की समझ विकसित होगी|
- छात्रों में अच्छे अनुवादक बनने की इच्छा जागृत हो सकेगी |

इकाई **1**

- अनुवाद – अर्थ,स्वरूप एवं परिभाषा
- अनुवाद के प्रकार
- अनुवाद की प्रक्रिया

इकाई **2**

- अनुवादक के गुण
- अनुवाद का महत्व
- अनुवाद की उपयोगिता

इकाई **3**

- साहित्यिक अनुवाद की समस्याएं
- कार्यालयी अनुवाद की समस्याएं
- वैज्ञानिक - तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएं

इकाई **4**

- अनुवाद के उपकरण, कोश, पारिभाषिक शब्दावली एवं कम्प्यूटर
- अनुवाद- पुनरीक्षण, सम्पादन एवं मूल्यांकन
- अनुवाद की सार्थकता, प्रासांगिकता तथा व्यावसायिक परिदृश्य

सहायक ग्रंथ

1 अनुवाद विज्ञान की रूपरेखा - डॉ सुरेश कुमार

2 कम्प्यूटर और हिन्दी - डॉ हरिकोख्न

3 अनुवाद सिद्धांत और स्वरूप - डॉ मनोहर सराफ

4 अनुवाद के विविध आयाम - डॉ पूरनचन्द टण्डन

5 अनुवाद कला - डॉ विश्वनाथ अय्यर

6 अनुवाद की समस्याएँ - भोलानाथ तिवारी

7 अनुवाद कला सिद्धांत और प्रयोग - डॉ कैलाश चन्द्र भाटियां

8 कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग - विजय कुमार मल्होत्रा

9 अनुवाद अवधारणा और अनुप्रयोग - डॉ चन्द्रभान शुक्ल

10 अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग - डॉ आदिनाथ

HIN24306DCE (4 Credits)

Title - लंबी कविता (Lambi Kavita)

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- छात्र लंबी कविता की सैद्धांतिक भूमिका तथा स्वरूप से परिचित होंगे |
- छात्र मुख्य कवियों के जीवन एवं उनकी कविताओं से अवगत होंगे|

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- विद्यार्थियों को गंभीर भाव बोध को समझने का अवसर मिलेगा|
- कृतियों के अध्ययन तथा विश्लेषण से साहित्यिक व आलोचनात्मक समझ विकसित होगी |

इकाई 1 : लंबी कविता की सैद्धांतिक भूमिका

- लंबी कविता का स्वरूप
- इतिहास
- मुख्य कवि {परिचय}

इकाई 2 : असाध्य वीणा - अज्ञेय (गहन अध्ययन)

- 'असाध्य वीणा' कविता की व्याख्या
- संवेदना
- भाषा सौन्दर्य

इकाई 3 : अंधेरे में - मुक्तिबोध (गहन अध्ययन)

- 'अंधेरे में' लंबी कविता के रूप में कविता की विशेषता
- 'अंधेरे में' कविता में फैंटेसी का आलेखन
- 'अंधेरे में' कविता में संवेदना का स्वरूप

इकाई 4 : आत्महत्या के विरूद्ध - रघुवीर सहाय (गहन अध्ययन)

- लंबी कविता के रूप में 'आत्महत्या के विरूद्ध' कविता का वैशिष्ट्य
- 'आत्महत्या के विरूद्ध' कविता में भारतीय लोकतंत्र का स्वरूप
- 'आत्महत्या के विरूद्ध' कविता में भाषा-सौष्ठव

संदर्भ ग्रन्थ

1 लंबी कविताएँ और नरेन्द्र मोहन - डॉ.रमेश सोनी
नवराज प्रकाशन, दिल्ली

2 अज्ञेय की कविता - एक मूल्यांकन - चन्द्रकान्त वांदिक्डेकर
सरस्वती प्रेस, नई दिल्ली

3 मुक्ति बोध :काव्य और जीवन विवेक - चंद्रकांत देवताले
राजकमल प्रकाशन , दिल्ली

4 रघुवीर सहाय : - सं.विष्णु नागर, असद जैदी
आधार प्रकाशन,पंचकुला

5 नई कविता का परिप्रेक्ष्य - डॉ.परमानंद श्रीवास्तव
नीलम प्रकाशन,इलाहबाद

6 नई कविता - आ.नंददुलारे वाजपेयी

7आधुनिक काव्य कथा व दर्शन - आ.राममूर्ति त्रिपाठी

8 प्रसाद,निराला,व अज्ञेय - रामस्वरूप चतुर्वेदी

9 नई कविता और अस्तित्ववाद - डॉ रामविलास शर्मा

10 अज्ञेय - विद्यानिवास मिश्र

HIN24307DCE (4 Credits)

Title – विशिष्ट साहित्यकार:प्रेमचन्द (Vishist Sahityakar : Premchand)

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- छात्र प्रेमचन्द के व्यक्तित्व और कृतित्व से परिचित होंगे |
- प्रेमचन्द के उपन्यास, कहानियां,नाटक तथा निबंध छात्रों को जीवन की वास्तविकता से परिचित करवाएंगे

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- विद्यार्थियों को गंभीर संवेदनाओं को समझने का अवसर मिलेगा|
- साहित्यकार प्रेमचन्द के व्यक्तित्व और कृतित्व से परिचित होने के साथ साथ विद्यार्थियों को उनकी रचनाओं के माध्यम से आलोचनात्मक विवेक प्राप्त होगा |

ईकाई 1

- प्रेमचन्द व्यक्तित्व एवं कृतित्व

ईकाई 2 कथाकार प्रेमचन्द: सामान्य परिचय

- दो उपन्यास - निर्मला
  - प्रतिज्ञा
- मानसरोवर भाग 1 कहानी - संग्रह से तीन कहानियां
  - ईदगाह
  - ठाकुर का कुंआ
  - पूस की रात

ईकाइ-3

- प्रेमचन्द के नाटकों का सामान्य परिचय
  - कर्बला
  - प्रेम की वेदी

ईकाइ-4

- प्रेमचन्द के निबंधों का सामान्य परिचय
  - साहित्य का उद्देश्य
  - कुछ विचार

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1 प्रेमचन्द- घर में - शिवरानी देवी।

2 प्रेमचन्द: एक विवेचन - इन्द्रनाथ मदान।

3 प्रेमचन्द:कलम का सिपाही - अमृतराय।

4 प्रेमचन्द:जीवन कला एवं कृतित्व - हंसराज रहबर।

5 प्रेमचन्द:साहित्यिक विवेचन - नंददुलारे वाजपेयी

6 प्रेमचन्द:एक अध्ययन - राजेश्वर गुरू।

7 प्रेमचन्द:के साहित्य सिद्धान्त - नरेन्द्र कोहली

8 प्रेमचन्द:एक कला व्यक्तित्व - जैनेन्द्र

9 प्रेमचन्द:स्मृति - सं.अमृतराय

10 प्रेमचन्द:चिन्तन और कला - इन्द्रनाथ मदान।

HIN24308DCE (4 Credits)

Title- नाटककार भारतेन्दु हरिशचंद्र (Natakkar Bharatendu Harishchander)

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- छात्र नाटक तथा एकांकी से परिचित होंगे |
- छात्र अभिनय कला को सूक्ष्मता से जान पाएंगे |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- विद्यार्थी आलोच्य नाटककार की कृति में निहित दृष्टिकोण को समझने के साथ-साथ दोनों विधाओं नाटक तथा एकांकी के मध्य अंतर करने में सक्षम होंगे
- छात्र भाषा शिल्प से परिचित होंगे|

इकाई 1

- भारतेन्दु हरिशचंद्र का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
- भारतेन्दु के नाटकों का सामान्य परिचय
- अंधेर नगरी (नाटक का सामान्य अध्ययन)

इकाई 2

- हिन्दी नाटक के प्रकार
- एकांकी – परिभाषा, स्वरूप एवं विशेषताएं
- एकांकी का प्रस्तुतिकरण

इकाई 3

- अंधेर नगरी का कथ्य
- उद्देश्य,प्रासंगिकता
- शिल्प वैशिष्ट्य

इकाई 4

- अंधेर नगरी में चित्रित समस्याएं
- अंधेर नगरी नाटक का शिल्प विधान
- रंगमंच की दृष्टि से अंधेर नगरी नाटक का मंचीकरण

संदर्भ ग्रंथ

1 हिन्दी नाटक उदभव और विकास - डॉ.दशरथ ओझा

2 हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष -गिरीश रस्तोगी ,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

3 हिन्दी नाट्य परिदृश्य - डॉ. धीरेन्द्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली

4 रंगदर्शन - नेमीचंद्र जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

5 हिन्दी नाटक - बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली

6 हिन्दी नाटक और रंगमंच पहचान और परख - इन्द्रनाथ मदान

7 हिन्दी साहित्य का इतिहास - आ. रामचंद्र शुक्ल

8 हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र

9 हिन्दी साहित्य संवेदना और विकास - डॉ.रामस्वरूप चतुर्वेदी

10 काव्य तत्वविमर्श - आ.राममूर्ति त्रिपाठी

HIN24003GE (2 Credits)

Title- हिन्दी व्याकरण – III (Hindi Grammer -III)

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- छात्र हिन्दी व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे |
- संज्ञा के विकारक तत्वों का ज्ञान प्राप्त होगा |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- मुहावरों तथा लोकोक्तियों के अंतर को समझेंगे |
- पत्र लेखन में सक्षम होंगे |

इकाई-1

- संज्ञा, सर्वनाम - परिभाषा एवं भेद
- विशेषण - परिभाषा एवं भेद
- किया, काल, - परिभाषा एवं भेद

इकाई-2

- वचन - परिभाषा, प्रकार एवं एकवचन- बहुवचन (शब्द)
- लिंग- परिभाषा, प्रकार एवं स्त्रीलिंग-पुलिंग (शब्द)
- कारक - परिभाषा, भेद एवं विभक्ति चिन्ह

HIN24003OE (2 Credits)

Title - हिन्दी व्याकरण एवं रचना (Hindi Grammer & Composition)

इकाई-1

- लोकोक्तियों का अर्थ तथा वाक्यों में प्रयोग
- मुहावरों का अर्थ तथा वाक्यों में प्रयोग
- अपठित अनुच्छेद

इकाई-2

- सामान्य पत्र लेखन
- पल्लवन
- संक्षेपण

SEMESTER IV

Course code		Course Title	Paper Category	Hours per Week		Credits
				L	T	
Core Papers S.No						
01	HIN24401CR	Katha Sahitya (short Story)	Core	4	0	4
02	HIN24402CR	Hindi Natak	Core	4	0	4
03	HIN24403CR	Pryojanmulk Hindi Avam Journalism	Core	4	0	4
04	HIN24404 CR	Saundryashashtra	Core	2	0	2
05	HIN24405DCE	Aalochna	Elective (DCE)	4	0	4
06	HIN24406 DCE	Kavi Harivanshroy Bachchan	Elective (DCE)	4	0	4
07	HIN24407 DCE	Dalit Lekhan	Elective (DCE)	4	0	4
08	HIN24408 DCE	Nibandhkar Ram chander shukla	Elective (DCE)	4	0	4
09	HIN24004 GE	Prose Writing Part-I	Elective (GE)	2	0	2
10	HIN24004 OE	Prose Writing Part-II	Elective open(OE)	2	0	2
24 Credit = 24 Contact Hours per week				14CR+ 16DCE +2GE/ 2OE	0	34
Credit Combination could be :14+08+02=**24**						

M.A. Hindi (Semester-IV) CBCS

For the year 2024

HIN24401CR (4 Credits)

Title : हिंदी कहानी साहित्य (Hindi Kahani Saahity)

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- छात्र आलोच्य कहानीकारों का साहित्यिक परिच्य प्राप्त करेंगे |
- विद्यार्थी हिंदी कहानी की प्रवृतियों से परिचित होंगे |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- कृतियों के अध्ययन विश्लेषण से साहित्यिक व आलोचनात्मक समझ विकसित होगी |
- विद्यार्थी कहानी कला को समझने में सक्षमता प्राप्त करेंगे |

इकाई **1**

- हिन्दी कहानी - सामान्य परिचय
- प्रेमचन्द पूर्व युग, प्रेमचन्द युग, प्रेमचन्दोतर युग, प्रसाद युग
- नई कहानी

इकाई **2**

- परवर्ती विविध कहानी आंदोलन
- महिला कहानीकार
- हिन्दी दलित कहानी

इकाई **3**

- उसने कहा था, हार की जीत - सुदर्शन
- कफन - प्रेमचन्द
- आकाश द्वीप - जयशंकर प्रसाद

- टोबा टेक सिंह - सआदत हसन मंटो

इकाई 4

- एक गौ - जैनेन्द्र कुमार
- ताई - विश्म्बर नाथ कौशिक
- चीफ की दावत - भीष्म साहनी
- परिन्दे - निर्मल वर्मा
- शहादत - वंदना राग

सहायक ग्रन्थ

1. समकालीन भारतीय कहानी - डॉ. उषा शुक्ल
2. कहानी: स्वरूप और संवेदना – राजेंद्र यादव
3. हिन्दी कहानी समकालीन परिदृश्य - डॉ. सुखबीर सिंह
4. आज की कहानी – विजय मोहान सिंह,
5. नई कहानी:सन्दर्भ और प्रकृति - देवीशंकर अवस्थी
6. हिन्दी कहानी की विकास प्रकिया - डॉ.आनन्द प्रकाश
7. कहानी स्वरूप और संवेदनाऐं - राजेन्द्र यादव
8. हिन्दी कहानी का विकास -मधुरेश

HIN24402CR (4 Credits)

Title: हिन्दी नाटक (Hindi Naatak)

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- छात्र प्रमुख समकालीन नाटककारों का साहित्यिक परिच्य प्राप्त करेंगे |
- विद्यार्थी नाटय साहित्य में आलोच्य नाटककारों के योगदान से परिचित होंगे |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- कृतियों के अध्ययन विश्लेषण से साहित्यिक व आलोचनात्मक समझ विकसित होगी |
- विद्यार्थी नाटय कला को समझने में सक्षमता प्राप्त करने के साथ-साथ भाषा शिल्प से परिचित होंगे |

इकाई **1**

- आधे अधूरे - मोहन राकेश
- समकालीन नाटक और मोहन राकेश
- 'आधे अधूरे' नाटक की मूल समस्या
- मोहन राकेश का नाट्य साहित्य में योगदान

इकाई **2**

- अंधा युग - धर्मवीर भारती
- नाट्य-काव्य परंपरा में धर्मवीर भारती का स्थान
- नाट्य- काव्य के तत्वों के आधार पर 'अंधा युग' का मूल्यांकन
- 'अंधा युग' नाटक के शीर्षक की सार्थकता

इकाई **3**

- संशय की एक रात - नरेश मेहता
- 'संशय की एक रात' नाटक के शीर्षक की सार्थकता
- 'संशय की एक रात' नाट्य-काव्य की प्रासांगिकता
- नरेश मेहता की संवेदना

इकाई **4**

- 'आधे अधूरे' नाटक की रंगमंचीयता
- 'अंधा युग' नाटक में प्रतीक- योजना एवं आधुनिकता
- 'संशय की एक रात' नाटक का नाट्य- शिल्प
- प्रमुख समकालीन नाटककारों का परिचय

सहायक ग्रन्थ ः (Bibliography)

1 अंधा युग निवष पर - संजीव कुमार

2 अंधा युग और भारती के अन्य नाट्य- प्रयोग – डॉ. जयदेव तनेजा।

3 मोहन राकेश- हिन्दी नाटक का मसीहा - गोविन्द चातक।

4 हिन्दी नाटक- रंगमंच - इन्द्रनाथ मदान

5 रंगदर्शन - नेमिचन्द।

HIN24403CR (4 Credits)

Title ः प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं जन-संचार, जन माध्यम
Pryojanmulak Hindi Avam JanSanchar, Jan Madiam

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- छात्र प्रयोजनमूलक हिन्दी से परिचित होंगे |
- विद्यार्थी हिन्दी की व्यावहारिक उपयोगिता से परिचित होंगे |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- विद्यार्थी कार्यालयों में प्रयुक्त होने वाली हिन्दी भाषा का समग्र ज्ञान प्राप्त कर पाएंगे|
- विद्यार्थी विविध कार्यालय क्षेत्रों में प्रयुक्त होने वाली भाषा से परिचित होंगे |

अधिगम परिणाम (Learning Outcome)

- विद्यार्थी कार्यालयों में प्रयुक्त होने वाली हिन्दी भाषा का समग्र ज्ञान प्राप्त कर पाएगे |
- विद्यार्थी विविध सेवा| क्षेत्रों में होने पर कार्यालयी भाषा से परिचित होंगे-

इकाई-1

- प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप एवं परिभाषा
- प्रयोजनमूलक हिन्दी की आवश्यकता एवं विशेषताएं
- हिन्दी के विविध रूप ः राष्ट्र भाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, मानक भाषा
- राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति

इकाई-2

- रोज़गार के क्षेत्र में हिन्दी
- वर्तमान मीडिया में हिन्दी
- विज्ञापन की तकनीक एवं भाषा
- कार्यालयी हिन्दी के प्रमुख प्रकार – प्रारूपण,टिप्पण,प्रतिवेदन

इकाई-3

- जन संचार- अर्थ, व्याख्या एवं प्रकार
- रेडियो के क्षेत्र में भाषा की प्रकृति
- तान - अनुतान की समस्या तथा बलाघात की समस्या
- समाचार पठन एवं भाषा का व्यक्तिकरण

इकाई-4

- मानक उच्चारण
- आंगिक एवं वाचिक अभिव्यक्ति
- दृश्य माध्यम में प्रस्तुतीकरण की स्वाभाविकता
- दृश्य माध्यम में दृश्य-श्रव्य एवं संगीत का तालमेल

सहायक ग्रन्थ सूची {Bibliography}

1 प्रयोजनमूलक हिन्दी-सिद्धान्त और प्रयोग - दंगल झलटे

2 प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ.विनोद गोदरे

3 प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ.कमलेश्वर भट्ट

4 व्यवहारिक हिन्दी - डॉ.कैलाशचन्द्र भाटिया

5 व्यवहारिक हिन्दी - डॉ.महेन्द्र मित्रल

6 व्यवहारिक हिन्दी - डॉ.कमला कौशल

7 आधुनिक जनसंचार और हिन्दी - प्रो. हरिमोहन

8 रेडियो, दूरदर्शन - डॉ. हरिमोहन

9 हिन्दी भाषा का उदभव और विकास - हरदेव भारी

10 हिन्दी भाषा -भोलानाथ तिवारी

HIN24404 CR (2Credits)

Title: सौन्दर्यशास्त्र (Saundryashastra)

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- छात्र सौन्दर्यशास्त्र की अवधारणा तथा स्वरूप से परिचित होंगे |
- विद्यार्थी सौन्दर्य के प्रकारों एवं स्रोतों से परिचित होंगे |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- विद्यार्थी सौन्दर्य तथा सौन्दर्यशास्त्र का समग्र ज्ञान प्राप्त कर पाएंगे|
- विद्यार्थी सौन्दर्यबोध से परिचित होंगे |

इकाई 1

- सौन्दर्य : अर्थ, स्वरूप व परिभाषा
- सौन्दर्य के प्रकार व स्रोत
- सौन्दर्यबोध
- ललित कला व सौन्दर्य

इकाई 2

- सौन्दर्यशास्त्र की अवधारणा
- सौन्दर्यशास्त्र का इतिहास
- आनन्द व रस
- सौन्दर्य की उपयोगिता

सहायक ग्रन्थ सूची {Bibliography}

1 सौंदर्य का तात्पर्य - डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय

2 सौंदर्य-दर्शन-विमर्श - डॉ. गोविन्द चंद्र पाण्डेय

3 रस दर्शन - आचार्य राममूर्ति त्रिपाठी

4 सौंदर्य पंचाशिका - आचार्य रेवाप्रसाद द्विवेदी

5 सहृदय और सौंदर्य की भारतीय व्याख्या - आचार्य भारतेन्दु कुमार पाठक

6 सौंदर्यशास्त्र - कुमार विमल

7 कला - हंस कुमार तिवारी

HIN24405DCE (4 Credits)

Title- आलोचना (Aalochna)

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- विद्यार्थियों में आलोचनात्मक विवेक/समीक्षात्मक दृष्टि का विकास होगा |
- विद्यार्थियों में भाषा शिक्षण के संस्कारों का विकास होगा |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- छात्र हिन्दी के प्रमुख आलोचकों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे |
- आलोचना के मानदंड का ज्ञान प्राप्त होगा |

इकाई **1**

- हिन्दी आलोचना का स्वरूप,अर्थ एवं परिभाषा
- हिन्दी आलोचना के उदय
- हिन्दी आलोचना के प्रकार एवं प्रणालियां

इकाई **2**

- स्वतंत्रयोतर आलोचना की विविध प्रवृतियां
- शास्त्रीय आलोचना परम्परा
- मनोवैज्ञानिक परम्परा

इकाई **3**

- हिन्दी की स्वच्छन्दतावादी आलोचना
- आधुनिक आलोचना
- अस्तित्वादी आलोचना

इकाई **4**

- आलोचना के मानदण्ड
- नन्ददुलारे वाजेपयी जी की आलोचना
- हज़ारी प्रसाद द्विवेदी जी की आलोचना

संदर्भ ग्रन्थ

1 आलोचक और आलोचना - बच्चन सिंह

2 साहित्यालोचना - श्यामसुन्दर दास

3 पाश्चात्य समीक्षा शास्त्र ः सिद्धान्त और परिदृश्य - नगेन्द्र

4 हिन्दी समीक्षा ः स्वरूप और संदर्भ - रामदरश मिश्र

5 हिन्दी आलोचना ः बीसवीं शताब्दी - निर्मला जैन

6 काव्य तत्व विमर्श - आचार्य राममूर्ति त्रिपाठी

7 रस मीमांसा - रामचन्द्र शुक्ल

8 रस सिद्धान्त - डॉ.नगेन्द्र

9 काव्यशास्त्र की विश्वकोषीय भूमिका - आचार्य राममूर्ति त्रिपाठी

10 संरचनावाद व उतर संरचनावद - गोपीचंद नारंग

HIN24406DCE (4 Credits)

Title - कवि हरिवंशराय बच्चन - विशेष अध्ययन

(Kavi Harivanshrai Bachan – Vishesh Addhyan)

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- छात्र हरिवंशराय बच्चन के व्यक्तित्व और कृतित्व से परिचित होंगे |
- प्रमुख हालावादी कवियों का परिचय प्राप्त होगा |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- विद्यार्थियों को गंभीर संवेदनाओं को समझने का अवसर मिलेगा|
- साहित्यकार बच्चन के व्यक्तित्व और कृतित्व से परिचित होने के साथ साथ विद्यार्थियों को उनकी रचनाओं के माध्यम से आलोचनात्मक विवेक प्राप्त होगा |

इकाई **1**

- बच्चनः व्यक्तित्व एवं कृतित्व

इकाई **2**

- मधुशाला - आरंभिक **20** छंद (व्याख्याएं)
- हालावाद का स्वरूप
- बच्चन काव्य का प्रमुख प्रतिपाद्य

इकाई **3**

- मधुकलश - आरंभिक **10** छंद (व्याख्याएं)
- समसामयिकता
- बच्चन काव्य में प्रेम व उमंग का उद्देश्य

इकाई **4**

- हालावाद
- हालावादी प्रतीकात्मक शब्द
- प्रमुख हालावादी कवि

सहायक ग्रन्थ ः

1	हिन्दी साहित्य का इतिहास	आ0 रामचन्द्र शुक्ल
2	हिन्दी साहित्य का इतिहास	डॉ0 नगेन्द्र
3	काव्यशास्त्र के नये क्षितिज	आ0 राममूर्ति त्रिपाठी
4	हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	रामस्वरूप चतुर्वेदी
5	हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	डॉ0 बच्चन सिंह
6	हिन्दी साहित्य उद्भव व विकास	आ0 हज़ारीप्रसाद द्विवेदी
7	आधुनिक साहित्य	नंददुलारे वाजपेयी
8	हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी	नंददुलारे वाजपेयी
9	हिन्दी साहित्य की कहानी	प्रभाकर माचवे
10	आधुनिक काव्य का कला व दर्शन	आ0 राममूर्ति त्रिपाठी

HIN24407DCE (4 Credits)

Title- दलित लेखन (Dalit Lakhen)

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- छात्रों को दलित साहित्य की अवधारणा तथा विकास का ज्ञान प्राप्त होगा |
- छात्र हिन्दी साहित्य में आलेच्य साहित्यकारों के योगदान से अवगत होगे |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- विद्यार्थियों को गंभीर संवेदनाओं को समझने का अवसर मिलेगा|
- साहित्यकारों के व्यक्तित्व और कृतित्व से परिचित होने के साथ साथ विद्यार्थियों को उनकी रचनाओं के माध्यम से आलोचनात्मक विवेक प्राप्त होगा |

इकाई **1**

- दलित लेखन एवं अवधारणा
- दलित साहित्य की सामाजिक प्रतिबद्धता
- दलित साहित्य की आर्थिक मान्यताएं

इकाई **2**

- दलित साहित्य की सार्थकता
- दलित सौन्दर्यशास्त्र
- दलित साहित्य की शिल्पगत प्रवृत्तियां

इकाई **3**

- जय प्रकाश कर्दम का साहित्यिक योगदान
- 'छप्पर' उपन्यास का कथ्य की दृष्टि से विश्लेषण
- 'छप्पर' उपन्यास का भाषा-शैली की दृष्टि से विश्लेषण

इकाई **4**

- ओमप्रकाश वाल्मीकी का साहित्यिक परिचय
- 'जूठन' उपन्यास का कथ्य की दृष्टि से विश्लेषण
- 'जूठन' उपन्यास के आधार पर दलितों की सम्सयाएं

संदर्भ ग्रंथ

1 आधुनिक साहित्य में दलित चेतना - देवेन्द्र चौबे , ओरिएंट ब्लैकस्वान दिल्ली

2 दलित साहित्य- स्वरूप और संवेदना - सूर्यनारायण रणसुभे, अमित प्रकाशन गाजियाबाद

3 अस्मिताओं के संघर्ष में दलित समाज - ईश कुमार, अकादमिक प्रतिभा दिल्ली

4 दलित साहित्य- इतिहास, वर्तमान और भविष्य - नटराज प्रकाशन दिल्ली

5 दलित चेतना और स्त्री - विजय कुमार संदेश, डॉ. नामदेव

6 मुख्यधारा और दलित साहित्य - सामयिक प्रकाशन नयी दिल्ली

7 दलित सौन्दर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मिकी राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

8 दलित विशेषांक - हंस पत्रिका

9 हिन्दी का गद्य साहित्य - डॉ. रामचन्द्र तिवारी

10 हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह

HIN24408DCE (4 Credits)

Title - निबन्धकार ः आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – विशेष अध्ययन

(Nibandhkar : Aacharya Ramchander Shukal – Vishesh Addhyan)

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- छात्र निबन्धकार आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के व्यक्तित्व और कृतित्व से परिचित होंगे |
- शुक्ल जी के निबंधों की सामान्य विशेषताओं का परिचय प्राप्त करेंगे |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- विद्यार्थियों को गंभीर संवेदनाओं को समझने का अवसर मिलेगा|
- छात्र आलोच्य निबंधों में निहित दृष्टिकोण को समझने के साथ साथ उनका तुलनात्मक अध्ययन करने में योग्यता प्राप्त करेंगे |

इकाई **1**

- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ः व्यक्तित्व एवं कृतित्व

इकाई **2**

- चिन्तामणि (भाग एक) ः आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

  केवल निम्नलिखित निबन्धों का गहन अध्ययन ः

  श्रद्धा- भक्ति, कविता क्या है, लज्जा- ग्लानि

- निर्धारित निबन्धों की व्याख्या

इकाई **3**

- चिन्तामणि के निर्धारित निबन्धों का कथ्य
- हिन्दी निबन्ध साहित्य में शुक्ल जी का स्थान
- शुक्ल जी के निबन्धों की सामान्य विशेषताएं

इकाई **4**

- निर्धारित निबन्धों से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न
- निर्धारित निबन्धों में प्रयुक्त भाषा-शैली

सन्दर्भ ग्रन्थ

1 निबन्धकार आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	डॉ ललित प्रसाद सकसेना
2 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	विजेचन्द्र स्नातक
3 आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी का संग्रह साहित्यिक	डॉ. चंदुनाथ चौबे
4 आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी	डॉ.त्रिभुवन सिंह
5 निबन्धकार आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी	आ.राममूर्ति त्रिपाठी
6 आचार्य रामचन्द शुक्ल व हिन्दी आलोचना	डॉ.रामविलास शर्मा
7 आलोचक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	राममूर्ति त्रिपाठी
8 हिन्दी का गद्य साहित्य	डॉ.रामचन्द्र तिवारी
9 हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी	नंददुलारे वाजपेयी
10 मंजूषा	आ.विश्वनाथ प्रभामणि

HIN24004 GE (2 Credits)

Title - हिन्दी गद्य लेखन –भाग-I

(Prose Writing-Part-I)

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course objective)

- छात्र पत्र लेखन का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे |
- शुद्ध-अशुद्ध शब्दों तथा वाक्यों से परिचित होंगे |

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcome)

- शब्दों तथा वाक्यों का अनुवाद कर पाएंगे |
- पत्र, संवाद, कहानी, सार तथा विज्ञापन लेखन में सक्षम होंगे |

इकाई 1

- सामान्य पत्र लेखन
- टिप्पणी लेखन
- अनुच्छेद लेखन

इकाई 2

- अपठित अनुच्छेद (गद्यांश)
- कहानी लेखन
- हिन्दी विज्ञापन

HIN24004 OE

(2Credits)

Title - हिन्दी गद्य लेखन –भाग-II

(Prose Writing-Part-II)

इकाई 1

- शब्दों तथा वाक्यों का अनुवाद
- शुद्ध-अशुद्ध शब्द एवं वाक्य
- संवाद लेखन

इकाई 2

- हिन्दी विज्ञापन
- प्रार्थना पत्र
- कहानी लेखन